The Quest

Quarterly Newsletter

Year - 1 Volume - 4

December 2020 - February 2021

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र

वर्ष | 1 अंक | 4 दिसम्बर, 2020– फरवरी, 2021

शहीद मंगल पाण्डेय

वीर बाबू कुँवर सिंह

शेरे बलिया चित्तू पाण्डेय

जननायक चन्द्रशेखर

tuuk;d pUn'k[kj fo'ofo|ky;

बलिया (उ०प्र०)

Website : www.jncu.ac.in

The Quest
Quarterly Newsletter
Year - 1 Volume - 3
September - November 2020

अन्वीक्षण

त्रैमासिक समाचार पत्र
वर्ष | 1 अंक | 3 सितम्बर–नवम्बर, 2020

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पृ.सं0
1.	अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक	3–4
2.	स्थापना दिवस समारोह ...	5–6
3.	अटल बिहारी वाजपेयी...	6
4.	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती...	7
5.	चिकित्सा शिविर का ...	7
6.	पराक्रम दिवस का...	8
7.	मतदाता दिवस का...	8
8.	गणतंत्र दिवस का....	8–9
9.	अन्तर महाविद्यालयीय....	9
10.	चौरीचौरा शताब्दी समारोह....	9–10
11.	वसंत पंचमी का आयोजन	10
12.	दीनदयाल उपाध्याय	10–11
13.	राष्ट्रीय सेवा योजना के	11
14.	रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम	12
15.	Dr. Awnindra Kumar Singh....	13
16.	National Webinar on	13–14
17.	Inauguration of	15
18.	Prof. Gopal Nath Tiwari....	15
19.	V.C, J.N.C.U, Ballia	15

मुख्य संरक्षक
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
कुलाधिपति

संरक्षक
प्रो0 कल्पलता पाण्डेय
कुलपति

संपादक
डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव

उप संपादक एवं संपादन सचिव
डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय

संपादक मण्डल
डॉ0 जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय
डॉ0 श्रीपति कुमार यादव
डॉ0 दिव्या मिश्र
डॉ0 यादवेन्द्र प्रताप सिंह

सम्पादक की कलम से...

शिक्षण संस्थाएँ छात्रों के व्यक्तित्व के बहुआयामी स्वरूप को आकार देने का सशक्त माध्यम होती है। शिक्षा का व्यापक अर्थ छात्रों को पठन-पाठन के अतिरिक्त पाठ्य सहगामी क्रिया-कलापों में अग्रसर होने का अवसर प्रदान करना भी है। जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है।

'सृजन' में सकारात्मकता है, गति है, गहनता है और मानवता के प्रति समर्पण है। विश्वविद्यालय द्वारा अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के मूल में 'सृजन' के इन्हीं आयामों को संजोने का प्रयास किया गया है। गीत, नृत्य, कला एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं ने छात्रों की क्षमता को चिह्नित एवं प्रदर्शित करने का अवसर दिया है।

बौद्धिक क्षमता के विकास की जड़ में शारीरिक विकास अपरिहार्य रूप से है। 'क्रीड़ा' प्रतियोगिताओं के माध्यम से शारीरिक विकास के साथ परस्पर सहयोग और सौहार्द का भाव भी विकसित होता है, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'अन्तरमहाविद्यालयीय खेल-कूद प्रतियोगिता' के माध्यम से अनेक प्रतिभाएँ उभरकर सामने आयी हैं।

विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वविद्यालय परिवार के लिए हर्षातिरेक की घड़ी होती है। इस घड़ी को संजोने, संवारने, और पुलकित, प्रफुल्लित होने के लिए 'स्थापना दिवस' का आयोजन किया जाता है। भविष्य की संभावनाओं को तलाशने की दिशा में विश्वविद्यालय का 'लिविंग लिजेण्ड्स ऑफ बलिया' फोरम एक महत्वपूर्ण कदम है, जो छात्रों को निश्चित रूप से ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, रोजगार की दिशा में एक मजबूत धरातल देगा। यह बात स्थापना दिवस के अवसर पर 'जे.एन.सी.यू.एण्ड बलिया : फार्मिंग इंटीग्रल बांड्स विथ लिविंग लिजेण्ड्स' पर हुए वेबिनार के माध्यम से प्रकाश में आयी। वैज्ञानिकों का विश्वविद्यालय आना, व्याख्यान देना, सहयोग का आश्वासन देना विश्वविद्यालय परिवार को प्राप्त बड़ी उपलब्धि है। हमें विश्वास है कि हमारा विश्वविद्यालय वैश्विक स्तर पर इनके सहयोग से नये आयाम स्थापित करेगा।

पूर्वजों का व्यक्तित्व और कृतित्व हमारी अमूल्य धरोहर है, प्रेरणा का स्रोत है। इनकी जयन्तियाँ बनाकर हम उनके आदर्शों और मूल्यों को जीवन में उतारने का प्रयास करते हैं। विश्वविद्यालय में महापुरुषों की जयन्तियाँ और महत्वपूर्ण दिवसों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं, जिनसे छात्रों में प्रेरणा का संचार होता है।

विश्वविद्यालय की इन महत्वपूर्ण गतिविधियों के साथ 'अन्वीक्षण' का यह अंक आप तक पहुँचाते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है।

नि. श्रीवास्तव
सम्पादिका

अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'सृजन–2020' का आयोजन

'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट
अन्दर हाथ सहार दे, बाहर बाहै चोट''

गुरु के गुरुतर रूप का निर्वहन करते हुए हमारे विश्वविद्यालय परिवार की मुखिया माननीया कुलपति महोदया ने अपने वृहद परिवार की क्षमताओं को चिह्निनत एवं प्रोत्साहित करने के लिए अन्तरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में लगभग समस्त कार्यक्रमों को सम्मिलित करवाया। कार्यक्रम का शीर्षक 'सृजन 2020' रखा गया। कार्यक्रमों को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय से लेकर इंटरमीडिएट कालेज तक के ख्यातिलब्ध विशेषज्ञों को निर्णायक के रूप में बुलाया गया। किसी कार्यक्रम का आरम्भ साज–सज्जा से होता है। अतः दिनांक 07.12.2020 को गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया में 'रंगोली' और 'मेहंदी' प्रतियोगितायें आयोजित की गयी। 'रंगोली' प्रतियोगिता में 10 महाविद्यालयों की टीमों ने मेहंदी प्रतियोगिता में 9 महाविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। श्रीमती जया सिंह, नायब तहसीलदार, बलिया एवं श्रीमती प्रियनन्दा, कृषि एवं पादप रक्षा अधिकारी, बलिया इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक की भूमिका में रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह की टीम प्रथम, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम द्वितीय, गांधी महाविद्यालय, मिड्ढा बेरुआरबारी एवं गौरी शंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। मेहंदी प्रतियोगिता में गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा को प्रथम, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह एवं गौरी शंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा को समान अंक मिलने के कारण द्वितीय स्थान, गांधी महाविद्यालय मिड्ढा की छात्रा को एवं कुंवर सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्रा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के तत्वावधान में "सृजन–2020" अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता, 'शास्त्रीय गायन, उप–शास्त्रीय गायन एवं वादन (तबला)' का आयोजन श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया के डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद सभागार में किया गया। यह प्रतियोगिता विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति महोदया प्रोफेसर कल्पलता पाण्डेय जी की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति महोदया द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम की रूपरेखा समन्यवक डॉ निशा राघव ने बताई। कार्यक्रम में निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ विभा चतुर्वेदी, पूर्व प्राचार्या, गुलाब देवी महिला महाविद्यालय व श्री शैलेन्द्र मिश्रा, संकल्प संस्था से रहे। कार्यक्रम में 8 महाविद्यालयों की 14 टीमों के प्रतिभागियों ने शास्त्रीय गायन, उप–शास्त्रीय गायन तथा तबला वादन में प्रतिभाग किया। शास्त्रीय गायन में क्रमशः मयंक राठौर, शुभम कुशवाहा एवं प्रदीप कुमार ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि

उप–शास्त्रीय गायन एकल में कु0 आयुषी ने प्रथम, हरिप्रिया तिवारी ने द्वितीय एवं राकेश कुमार तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। समूह गायन में विनीता वर्मा व अनीश ने प्रथम, अर्चना व अंजू वर्मा ने द्वितीय स्थान पाया। तबला वादन में प्रथम स्थान श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रिपुंजय कुमार तिवारी ने प्राप्त किया।

दिनांक 09.12.2020 को कुँवर सिंह स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'कोलाज एवं पेंटिंग' प्रतियोगिता आयोजित की गयी। कोलाज प्रतियोगिता में 9 महाविद्यालयों ने प्रतिभाग किया जबकि पेंटिंग प्रतियोगिता में 12 महाविद्यालयों ने प्रतिभाग किया। जनपद के ख्यातिलब्ध कला विशेषज्ञ डॉ0 इफ्तेखार खाँ, प्रवक्ता, कला विभाग, राजकीय इण्टर कालेज, बलिया तथा डॉ0 नुरुलहक, प्रवक्ता, कला विभाग सनबीम स्कूल, बलिया ने सूक्ष्म अध्ययन करते हुए कोलाज प्रतियोगिता में गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया को प्रथम, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह को द्वितीय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय को तृतीय स्थान प्रदान किया। पेंटिंग प्रतियोगिता में किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय रकसा, रतसड़ प्रथम स्थान पर, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलिया द्वितीय स्थान पर, स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांसडीह तृतीय स्थान पर रहे।

दिनांक 10.12.2020 को 'नृत्य (एकल एवं समूह) शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय', की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। शास्त्रीय नृत्य विशेषज्ञ श्री अजय पासवान, शुभम, मीरा ने परिणाम घोषित करते हुए एकल नृत्य में श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय को प्रथम, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह को द्वितीय, गुलाब देवी महिला महाविद्यालय को तृतीय स्थान दिया। यह प्रतियोगिता गांधी महाविद्यालय, मिड्ढा–बेरूआरबारी में आयोजित की गयी थी। इसी आयोजन केन्द्र पर समूह नृत्य प्रतियोगिता में गांधी महाविद्यालय, मिड्ढा को प्रथम स्थान, स्नातकोत्तर महाविद्यालय महाविद्यालय, बांसडीह को द्वितीय स्थान, गौरीशंकर राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, करनई को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

11.12.2020 को स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह में 'नाटक एवं मूक अभिनय' की प्रतियोगितायें आयोजित की गयीं। प्रतियोगिता में 14 महाविद्यालयों की प्रतिभागिता रही। 'संकल्प'

संस्था के निदेशक एवं नाट्य कला विशेषज्ञ श्री आशीष त्रिवेदी तथा टेली फिल्म निर्माता श्री अरविन्द कुमार द्वारा अभिनय एवं रंगमंच के विभिन्न बिंदुओं का निरीक्षण करते हुए नाटक में स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह को प्रथम, गौरीशंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय को द्वितीय, गांधी महाविद्यालय, मिड्ढा बेरूआरबारी को तृतीय स्थान पर घोषित किया। मूक अभिनय में स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांसडीह को प्रथम, गांधी महाविद्यालय मिड्ढा बेरूआरबारी को द्वितीय तथा किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रक्सा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

दिनांक 12.12.2020 को सतीश चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'ऑनलाइन शिक्षण पद्धति' एवं 'संविधान के अन्तर्गत मूल अधिकार एवं कर्तव्य' विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्री शशिमौलि मिश्रा, निदेशक, I.E.L. भाषा स्कूल तथा श्री अमरेश ओझा अध्यापक S.S. क्लासेज ने अंकों के आधार पर क्विज प्रतियोगिता में चार महाविद्यालयों – कुँवर सिंह महाविद्यालय, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतीश चन्द्र महाविद्यालय, स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांसडीह को प्रथम स्थान दिया। श्री बजरंग पी0जी0 कालेज दादर आश्रम, सिंकन्दरपुर एवं किसान पी0जी0 कालेज रतसड़ को प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। वाद–विवाद प्रतियोगिता में सतीश चन्द्र महाविद्यालय, प्रथम एवं द्वितीय स्थान किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय रक्सा को, तृतीय स्थान हरिशंकर प्रसाद विधि महाविद्यालय चितबड़ागाँव स्थान प्राप्त हुआ।

दिनांक 13.12.2020 को नरहेजी महाविद्यालय, नरहीं में आशु भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक द्वय डॉ0 श्वेतांक सिंह एवं श्री शत्रुघ्न पाण्डेय ने स्नाताकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह एवं श्री बजरंग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दादर आश्रम, सिकन्दरपुर को प्रथम, बाबा रामदयाल सूरजमल स्मारक पी0जी0 कालेज, पकवाइनार एवं सतीश चन्द्र महाविद्यालय को द्वितीय, स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांसडीह एवं श्री नरहेजी महाविद्यालय नरहीं को तृतीय स्थान पर घोषित किया।

दिनांक 14.12.2020 को किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रक्सा, रतसड़ में 'राष्ट्र प्रेम' विषय पर मौलिक कविता लेखन एवं निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गईं। कवि श्री शशि कुमार सिंह 'प्रेमदेव' एवं कवयित्री डॉ0 कादम्बिनी सिंह ने लेखन की मौलिकता को ध्यान में रखते हुए कुँवर सिंह पी0जी0 कालेज को प्रथम, गौरीशंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, करनई को द्वितीय, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय को तृतीय स्थान पर घोषित किया। इसी क्रम में 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लैंगिक समानता' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता में साहित्यकार द्वय ने नरहेजी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरहीं को प्रथम, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा को द्वितीय, गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय करनई को तृतीय, स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांसडीह को चतुर्थ एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांसडीह को पंचम स्थान पर घोषित किया।

दिनांक 15.12.2020 को गौरीशंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'पर्यावरण के साथ संवाद' विषय पर मौलिक कविता पाठ का आयोजन किया गया। पर्यावरणविद डॉ0 गणेश पाठक एवं ख्यातिलब्ध साहित्यकार डॉ0 यशवंत सिंह ने विषय का सूक्ष्म विवेचन करते हुए गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह को प्रथम, संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरहीं को द्वितीय श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं हरिशंकर विधि महाविद्यालय चितबड़ागांव को तृतीय स्थान पर घोषित किया गया।

दिनांक 16.12.2020 को श्री जमुना राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय चितबड़ागांव में 'आनन्द क्या है?' विषय पर पोस्टर एवं 'समकालीन राजनीति' पर कार्टून कला प्रतियोगिता आयोजित की गईं। विषय विशेषज्ञ डॉ0 मुहम्मद नुरूल हक एवं श्री नौशाद अहमद ने इस पोस्टर प्रतियोगिता में श्री जमुनाराम स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं गौरीशंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय को प्रथम, किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा एवं हरिशंकर प्रसाद विधि महाविद्यालय को द्वितीय, स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह, सतीश चन्द्र स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय को तृतीय स्थान प्रदान किया गया। कार्टून कला प्रतियोगिता में श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह प्रथम, गौरीशंकर राय कन्या महाविद्यालय एवं जमुना राम स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वितीय, मथुरा पी0जी0 कालेज, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं कुंवर सिंह पी0जी0 कालेज तृतीय, हरिशंकर प्रसाद विधि महाविद्यालय, चतुर्थ तथा किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रकसा पंचम स्थान पर रहे। दस दिवसीय अनवरत चलने वाली इस प्रतियोगिता में समग्र रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच महाविद्यालयों को भी पुरस्कृत किया गया जिसमें स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह को प्रथम स्थान, गौरीशंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय को द्वितीय स्थान, श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय को तृतीय स्थान, गुलाब देवी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय को चतुर्थ स्थान तथा किसान महाविद्यालय रकसा, रतसड़ को पंचम स्थान प्राप्त हुआ।

स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के पाँचवें स्थापना दिवस का शुभारंभ दिनांक 20.12.2029 को परिसर स्थित सभागार में हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री उपेन्द्र तिवारी, माननीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, क्रीड़ा, युवा कल्याण एवं पंचायती राज, उ0प्र0 सरकार ने कहा कि मुझे बलिया की धरती पर पैदा होने का गर्व है, और अगर आपने मुझे इस विश्वविद्यालय की सेवा करने का मौका दिया तो मैं शिकायत का मौका नहीं दूंगा। आने वाले दिनों में यहाँ मेडिकल कॉलेज खुलेगा, जिसके लिए प्रयास किया जा रहा है। यदि खेल के क्षेत्र में कुछ करने का मौका मिला, तो मैं उसे भी पूरा करने का प्रयास करुंगा। सारस्वत अतिथि प्रो0 लल्लन जी सिंह, पूर्व कुलपति, हेमवतीनंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, गढ़वाल, उत्तराखंड ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि शोध के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करना होगा, पाठ्यक्रम में बदलाव लाना होगा, नवाचार को लाना होगा और उद्योगों से जुड़ना होगा। इन विश्वविद्यालय को यूजीसी से '12 बी' की मान्यता दिलाने के लिए मैंने यूजीसी, अध्यक्ष से बात की है और शीघ्र ही विश्वविद्यालय को यह मान्यता प्राप्त हो जाएगी। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि मेरा लालन पालन बलिया में हुआ है और मैं यहाँ के ऋण से उऋण होने के लिए इस विश्वविद्यालय में आई हूँ। यह विश्वविद्यालय पूर्वांचल के विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करेगा। मैं इस विश्वविद्यालय को प्रदेश के 'टॉप 10' विश्वविद्यलयों में सम्मिलित कराने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन, विश्वविद्यालय द्वारा एनआईसी के सभागार में 'जेएनसीयू एंड बलियाः फार्मिंग' इंटीग्रल बांड्स विथ लिविंग लिजेंड्स' विषयक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने आभासी दीप प्रज्वलन करके किया। अतिथियों और वक्ताओं का स्वागत करते हुए प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि 'लिविंग लिजेंडस ऑफ बलिया' के माध्यम से मैं बलिया की माटी में जन्मीं उन विभूतियों को जोड़ने का प्रयास कर रही हूँ, जो यहाँ से बाहर रहकर अपने कर्मक्षेत्र के शिखर पर पहुँचे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने वीडियो संदेश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विकास में सहयोग देने का भरोसा दिया और विश्वविद्यालय द्वारा जनपद की विभूतियों को जोड़ने के प्रयास की सराहना की।

वेबिनार का संचालन डॉ0 दयालानंद रॉय, डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय एवं डॉ0, प्रमोद शंकर पाण्डेय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय और डॉ0 यादवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री हरिप्रताप शाही, सीडीओ विपिन जैन काफी देर तक कार्यक्रम में बैठे रहे। डॉ0 दिलीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय, डॉ प्रतिभा पाण्डेय, डॉ0 निवेदिता श्रीवास्तव, डॉ0 सुधाकर तिवारी, डॉ0 निशा राघव, डॉ0 ममता, डॉ0 अखिलेश राय, डॉ0 अरविंद उपाध्याय, डॉ0 नेहा, आयुषी उपाध्याय आदि गणमान्य लोग जुड़े थे।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के तीन दिवसीय स्थापना दिवस समारोह के अंतिम दिन 'वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य एवं जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की भूमिकाः चुनौतियां एवं सम्भावनाएं' विषयक संगोष्ठी व 'सृजन 2020' के प्रतिभागियों

के लिए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। समारोह की विधिवत शुरुआत प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वर्चुअल तरीके से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नीरज शेखर, विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल व कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के सभागार में दीप जलाए।

मुख्य अतिथि नीरज शेखर ने कहा कि मेरे पिता जी पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी के नाम पर विश्वविद्यालय हो, यह मेरा सपना था। वर्तमान कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय की प्रशंसा करते हुए आपने कहा कि यह खुशी की बात है कि विश्वविद्यालय अच्छे कुलपति के हाथ में है। यहाँ मेडिकल कालेज खुलना सौभाग्य की बात होगी। आपने यह भी कहा कि मैं दुनिया के बड़े–बड़े विश्वविद्यालयों में जा चुका हूं। मैं चाहता हूं कि पिता जी को भारत रत्न मिले न मिले, उनके नाम से केंद्रीय विश्वविद्यालय जरूर बने। यह कोशिश होनी चाहिए कि जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय भी दुनिया के बड़े विश्वविद्यालयों में गिना जाय। माननीय सांसद ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय का विकास सिर्फ सरकार का काम नहीं है। बल्कि विश्वविद्यालय जिस स्थान पर होता है, उससे जुड़े लोगों के प्रयास की भी जरूरत होती है। विश्वविद्यालयों से निकले लोगों को भी आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में सही शिक्षा नीति नहीं बनाई गई। वर्तमान सरकार ने इस पर ध्यान दिया है। नई शिक्षा नीति से भारत का भविष्य सुधरेगा। इसमें तकनीकी शिक्षा पर ध्यान देने की बात कही गई है। इसके लिए कौशल विकास को लेकर इस विश्वविद्यालय को भी आगे आना होगा। मुझे विश्वास है कि यह विश्वविद्यालय जिस उद्देश्य से स्थापित किया गया है, यहां के शिक्षक और विद्यार्थी उसे जरूर पूरा करेंगे। विश्वविद्यालय के विकास को लेकर नीरज शेखर ने कहा कि जितने धन की आवश्यकता होगी, उसे मुख्यमंत्री से मिलकर पूरा कराया जाएगा।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल ने कहा कि चन्द्रशेखर जी सिद्धान्त और संकल्प के प्रति समर्पित थे। आज यह विश्वविद्यालय उनके

आदर्शों पर चल रहा है। विश्वविद्यालय देश के निर्माण के लिए प्रतिभाओं को तराशने के लिए बनाए जाते हैं। इस विश्वविद्यालय का भी उद्देश्य प्रज्वलित युवा मस्तिष्क तैयार करना होना चाहिए। इसके ऐसे पाठ्यक्रम बनाने होंगे, जिससे राष्ट्रवाद का विचार प्रबल हो। कहा कि विश्वविद्यालय अच्छे शिक्षार्थी पैदा करें। विद्यार्थियों को भी अपने गुरुओं का अथाह आदर करना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों को अवश्य पूरा करेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी दोनों लगे हुए हैं। कुलपतिने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में योग्य व्यक्तियों का चुनाव होना चाहिए तभी भावी पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय कृषि आधारित अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने, इसके लिए प्रयास शुरू किए गए हैं। यह विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। माननीय कुलपति ने विश्वविद्यालय से जुड़े सभी 128 महाविद्यालयों का आह्वान किया कि विद्यार्थियों को मौलिक कर्तव्यों की शिक्षा दें तभी विद्यार्थी राष्ट्र का श्रेष्ठ नागरिक बनेगा। इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत में अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर किया गया। जबकि कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा0 जैनेन्द्र पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डा0 प्रतिभा त्रिपाठी, डा0 अरविंद नेत्र पाण्डेय, डा0 प्रदीप श्रीवास्तव, डा0 सानंद सिंह, डा0 निशा राघव, डा0 अखिलेश राय, वीरेंद्र राय, अरविंद उपाध्याय आदि थे। संचालन डा0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संजय कुमार ने किया। संगोष्ठी के उपरान्त अन्तरमहाविद्यालयी सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। 'सृजन–2020' नाम से आयोजित इन प्रतियोगिताओं में समग्र प्रदर्शन के आधार पर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांसडीह को प्रथम, गौरीशंकर राय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, करनई को द्वितीय तथा श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर परिसर में 5,100 दीप भी प्रज्वलित किए गए। दीप प्रज्वलन का श्रीगणेश राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल, राज्यसभा सांसद नीरज शेखर व कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने किया। देखते ही देखते पूरा परिसर जगमगा उठा। एनसीसी कैडेटों व महाविद्यालयों के शिक्षकों व छात्रों ने भी दीप जलाए।

अटल बिहारी वाजपेयी आर्ट फेस्ट का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के भोजपुरी भवन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती 23 से 25 दिसम्बर तक "आर्ट फेस्ट" के रूप में मनाई गई। इसके अंतर्गत 23 दिसम्बर,2020 को चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें पोर्ट्रेट, प्राकृतिक दृश्य चित्रण, पोस्टर एवं कोलाज की विश्वविद्यालय एवं अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता आयोजित की गई। 24 दिसम्बर, 2020 क्विज प्रतियोगिता एवं आनलाइन निबंध प्रतियोगिता कराई गई। 25 दिसम्बर, 2020 को काव्यपाठ कराया गया तथा "श्री अटल जी एवं महामनाः व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषयक वेबिनार का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के चार विभागों तथा दस महाविद्यालयों के 35 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि अध्ययन के साथ–साथ कलाओं के अभ्यास से छात्रों के व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास होता है। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ0 गणेश पाठक, गुड़गांव से मारुति कम्पनी के डिजाइनर श्री सुनील कुमार गुप्ता, जयपुरिया विद्यालय की कला शिक्षिका पूजा शर्मा, डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ0 अतुल, डॉ0 अंकित रहे। इस प्रतियोगिता का संयोजन डॉ0 निशा राघव, समन्वयन डॉ0 ममता वर्मा ने किया तथा कार्यक्रम के सचिव श्री

शोक विमोचन त्रिपाठी सहायक कुलसचिव रहे। प्रतियोगिताओं में छात्रों के पंजीकरण के लिए डॉ0 धनंजय कुमार राय, डॉ0 शुभ्रांशु शेखर, डॉ0 जितेंद्र कुमार सिंह ने अमूल्य सहयोग दिया तथा संचालन में डॉ0 नेहा बिशेन, डॉ0 अतुल कुमार एवं डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय की अहम भूमिका रही।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती का आयोजन

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के सभागार में 'वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य एवं स्वामी विवेकानंद' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा0 बालमुकुंद जी ने कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य संस्कार देना है। शिक्षा से ही छात्र का दूसरा जन्म होता है और उसकी 'कोऽहम्' से 'सोऽहम्' की यात्रा पूरी होती है। उन्होंने कहा कि बच्चा 'कोऽहम्' यानी मैं कौन हूं कहते हुए पैदा होता है और ज्ञान प्राप्ति के बाद 'सोऽहम्' यानी मैं वही अर्थात परमात्मा हूं कहते हुए परम गति को प्राप्त होता है। विवेकानन्द के विचारों को अपनाने की आश्यकता पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा की औपनिषदिक परम्परा में विवेकानंद विश्वास करते थे और इसी को अपनाकर भारत पुनः विश्वगुरु बन सकता है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने युवाओं को आह्वान करते हुए कहा कि आपकी शिराओं में राष्ट्रप्रेम का रक्त प्रवाहित होना चाहिए और राष्ट्रहित के लिए आपको पूर्ण समर्पित हो जाना चाहिए।

कार्यक्रम का आरम्भ माँ सरस्वती और स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर माल्यार्पण द्वारा हुआ। तत्पश्चात् आयुषी एवं कु0 संगीता द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किया गया। छात्र अतुल पाण्डेय ने कहा कि युवाओं के लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित होकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव संजय कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ0 दिलीप श्रीवास्तव, डॉ0 अरविन्द नेत्र पाण्डेय, डॉ0 अशोक सिंह, डॉ0 साहेब दुबे, गजेन्द्र पाल सिंह, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय, डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय, डॉ0 अपराजिता, डॉ0 निशा राघव, डॉ0 दयालानन्द राय, डॉ0 अजय पाण्डेय आदि प्राध्यापक एवं छात्र–छात्राएं और विश्वविद्यालय के अधिकारी/कर्मचारी और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 22 जनवरी 2021 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित कौशल विकास केन्द्र में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय से संबद्ध शान्ति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित इस शिविर में वहाँ के प्राध्यापकों द्वारा परिसर के विद्यार्थियों, कर्मचारियों, प्राध्यापकों के अतिरिक्त समीपवर्ती गाँवों के निवासियों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मेडिकल कॉलेज के छात्रों तथा नर्सिंग स्टाफ द्वारा लोगों की आवश्यक स्वास्थ्य जांचें जैसे शुगर, ब्लड प्रेशर, ब्लड ग्रुप इत्यादि की भी जाँच की गयी। इस स्वास्थ शिविर में जनरल फिजिशियन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, हड्डी रोग एवं नाक, कान, गला विभाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा लोगों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण करने के अलावा निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। इस चिकित्सा शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो० कल्पलता पांडेय ने किया और कहा कि विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन को प्रतिबद्ध है। यह पहला चिकित्सा शिविर अवश्य है किंतु अब यह क्रम अनवरत चलता रहेगा। मेडिकल कॉलेज के प्रबंधन द्वारा इस अवसर पर पूरे वर्ष के कार्यक्रमों की योजना भी प्रस्तुत की गयी,

जिसमें विश्वविद्यालय में हर्बल गार्डेन की स्थापना के साथ कालेज परिसर और विश्वविद्यालय परिसर में इस प्रकार के कई चिकित्सा शिविरों के संचालन की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गयी। इस अवसर पर कुलसचिव संजय कुमार, शैक्षणिक निदेशक डॉ० साहेब दूबे के अलावा परिसर के प्राध्यापक गण डॉ० प्रमोद शंकर पांडेय, नेहा विशेन, अतुल कुमार, डॉ० अपराजिता उपाध्याय, डॉ० विवेक कुमार, वंदना यादव तथा आशीष कुमार उपस्थित रहे।

पराक्रम दिवस का आयोजन

दिनांक 23 जनवरी 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनायी गयी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो० कल्पलता पांडेय ने युवाओं का आह्वान किया कि वे नेताजी के दिखाये हुए रास्ते पर चलें। भारत को स्वतंत्रता दिलाने में जिन सेनानियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा उनमें नेताजी का नाम अग्रणी है। आपने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम आजादी का पर्व मानते हुए इन राष्ट्रनायकों के योगदान को भूल जाते हैं। हम सभी में अपने राष्ट्र एवं संस्कृति के प्रति अनुराग होना चाहिए तभी हम अपनी स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाये रख सकेंगे। इस अवसर पर डा० साहेब दूबे, निदेशक, विश्वविद्यालय परिसर ने नेताजी के युवा हृदय सम्राट होने का जिक्र किया और कहा कि जिस प्रकार सुभाष बाबू ने आई सी एस की परीक्षा उत्तीर्ण की वह उनकी प्रतिभा को दर्शाता है किंतु जिस प्रकार उन्होंने देशसेवा के लिए उसे त्याग दिया वह उनकी राष्ट्रभक्ति का अनुकरणीय उदाहरण है। मध्यकालीन इतिहास विभाग के प्राध्यापक डा० शैलेंद्र कुमार सिंह ने नेताजी के जीवनवृत्त का विस्तार से वर्णन किया और बताया कि सुभाष बाबू में नेतृत्व का अद्भुत कौशल था। जिस प्रकार उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के निर्वाचन में गांधीजी द्वारा समर्थित प्रत्याशी पट्टाभि सीतारमैय्या को पराजित किया वह एक अविश्वसनीय विजय थी किंतु उन्होंने इस पद को त्याग दिया क्योंकि उन्हें पता था कि गांधी के विरोध के बाद कांग्रेस में कार्य करना मुश्किल होगा। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना और भारत की आजादी के लिए ब्रिटेन के विरोधी देशों की मदद लेकर सशस्त्र संघर्ष के लिए आजाद हिन्द फौज का गठन किया और दिल्ली चलो के नारे के साथ सैन्य अभियान चलाया। विश्व इतिहास में एक व्यक्ति द्वारा इस प्रकार स्वतंत्रता के लिए प्रयत्न करने का उदाहरण दुर्लभ है। यदि ब्रिटिश शासन को भारत से अपने पाँव समेटने पड़ें तो इसका श्रेय केवल अहिंसक संघर्ष को ही नहीं जाता बल्कि इसके पीछे ऐसे सशस्त्र प्रतिरोध का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नेताजी का पोर्ट्रेट बनाने के साथ ही उनके महत्वपूर्ण विचारों की भी झांकी प्रस्तुत की। अतुल पांडेय, मिहिरदेव सिंह, हर्ष कुमार आदि विद्यार्थियों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये और अपने युवा साथियों का आह्वान किया कि हमें नेताजी के दिखाये रास्ते पर चलकर राष्ट्र के विकास के प्रति अपना भी योगदान देना होगा। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ० प्रमोद शंकर पांडेय ने किया। इस कार्यक्रम में परिसर के प्राध्यापकगण नेहा विशेन, अतुल कुमार, डॉ० अपराजिता उपाध्याय, डॉ० विवेक कुमार, वंदना सिंह यादव तथा आशीष सिंह उपस्थित रहे।

मतदाता दिवस का आयोजन

दिनांक 25 जनवरी 2021 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय ने विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों को भयमुक्त एवं निष्पक्ष मतदान की शपथ दिलाई। इस अवसर पर डॉ0 पांडेय ने युवाओं का आह्वान किया कि वे सेलेक्शन नहीं इलेक्शन करें यानी जाति, धर्म, भाषा, संप्रदाय आदि की सीमाओं से मुक्त होकर प्रत्याशी की योग्यता एवं विकास तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के आधार पर मतदान करें। उप कुलसचिव श्री महेश कुमार ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं प्रत्येक चुनाव में मतदान अवश्य करें बल्कि अपने मित्रों, परिवार के सदस्यों एवं संबंधियों को भी मतदान के महत्व बताएं ताकि लोकतंत्र की बुनियाद मजबूत रहे। हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने कहा कि हम भारतीयों की लोकतंत्र में आस्था है और हमने सर्वदा शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता परिवर्तन करते हुए इसे प्रमाणित किया है जबकि अमेरिका की संसद में हुई हिंसा विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र की वास्तविकता बताने को पर्याप्त है इस अवसर पर परिसर के प्राध्यापकगण श्री अतुल कुमार, सुश्री नेहा विशेन, डॉ0 अपराजिता उपाध्याय, डॉ0 विवेक कुमार, सुश्री वंदना यादव, श्री शैलेंद्र कुमार सिंह, श्री आशीष कुमार सिंह एवं डॉ0 गजेंद्र कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय परिसर में 72वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2021 को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एन सी सी कैडेट्स ने लेफ्टिनेंट सच्चिदानंद के नेतृत्व में कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। झंडोत्तोलन के पश्चात कुलपति ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों, विशेषकर एनएसएस, एनसीसी एवं रोवर्स/रेंजर्स द्वारा किये गए सामाजिक–कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों और मूल कर्तव्यों की विस्तृत चर्चा की और विद्यार्थियों को नसीहत देते हुए कहा कि अधिकार से अधिक कर्तव्यों को समझने की आवश्यकता है क्योंकि कर्तव्यबोध के बिना अधिकार की बात करना सर्वथा बेमानी है। सच यह है कि कर्तव्य–पथ पर चलकर ही हमारा राष्ट्र महान बन सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे राष्ट्र की सेवा के लिए प्राण–पण से

जुट जाएं। चाहे कोई भी क्षेत्र हो, हम पूरी निष्ठा से कार्य करें, यही राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा है। हमारी कर्तव्यपरायणता से ही गणतंत्र सुचारु रूप से कार्य करेगा और देश की समृद्धि और विकास के रास्ते खुलेंगे।

इस अवसर पर कुलसचिव संजय कुमार, उप कुलसचिव महेश कुमार, वाणिज्य संकायाध्यक्ष डॉ0 साहेब दूबे, जनसंपर्क अधिकारी डॉ0 जैनेन्द्र पाण्डेय के साथ परिसर के प्राध्यापकगण डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय, अतुल कुमार, नेहा विशेन, डॉ0 अपराजिता उपाध्याय, डॉ0 विवेक कुमार, डॉ0 गजेन्द्र पाण्डेय, शैलेन्द्र सिंह, आशीष सिंह, वन्दना यादव एवं कर्मचारीगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय की अन्तर महाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2020–21 का आयोजन 29. 01.2021 से 11.02.2021 तक विभिन्न महाविद्यालयों में आयोजित हुआ। अन्तर महाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में मुख्य रूप से एथलेटिक्स, कबड्डी, बैडमिण्टन, वॉलीबॉल व खो–खो का आयोजन हुआ।

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में सबसे पहले ट्रैक व फील्ड (एथलेटिक्स) क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन नरहेजी महाविद्यालय में 29.01.2021 और 30.01.2021 को सम्पन्न हुआ।

इस प्रतियोगिता में 15 महाविद्यालयों की टीम के अन्तर्गत कुल 254 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें 145 पुरुष और 109 महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में श्री नरहेजी महाविद्यालय ने कुल 73 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, गाँधी महाविद्यालय मिड्ढा 45 अंको के साथ दूसरे स्थान पर और श्री मुरली मनोहर टाउन पी0जी0 कालेज 19 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

इसके बाद दिनांक 02.02.2021 और 03.02.2021 को अन्तर महाविद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किसान पी0जी0 कालेज, रकसा में हुआ। जिसमें पुरुष वर्ग में 10 टीम और महिला वर्ग में 7 टीमों ने भाग लिया था। पुरुष वर्ग में सतीश चन्द्र कालेज प्रथम स्थान पर रहा और दूजा देवी पी0जी0 कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा। बालिका वर्ग में देवेन्द्र पी0जी0 कालेज, बेल्थरा रोड प्रथम स्थान पर और किसान पी0जी0 कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा।

इस के बाद दिनांक 06.02.2021 को विश्वविद्यालय परिसर में अन्तर महाविद्यालयीय बैडमिण्टन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें पुरुष वर्ग में 11 महाविद्यालयों की टीमों और महिला वर्ग में 6 महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। बालक वर्ग में फाइनल मैच दूजा देवी और एस0सी0 कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें दूजा देवी विजेता और एस0सी0 कॉलेज उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में फाइनल मैच कुँवर सिंह पी0जी0 कॉलेज और बाबा ऋषभ देव पी0जी0 कालेज के बीच हुआ। जिसमें बाबा ऋषभ देव कॉलेज विजेता तथा कुँवर सिंह पी0जी0

कालेज उपविजेता रहा।

इसके बाद दिनांक 09.02.2021 को वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन एस0सी0 कॉलेज में हुआ। जिसमें पुरुष वर्ग में 4 टीमों ने प्रतिभाग किया। फाईनल मैच एस0सी0 कॉलेज और दूजा देवी कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें एस0सी0 कॉलेज विजेता और दूजा देवी कॉलेज उपविजेता रहा।

तदनन्तर दिनांक 11.02.2020 को जमुना राम पी0जी0 कॉलेज में खो–खो प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें बालिका वर्ग में 8 टीमों और बालक वर्ग में 3 टीम ने भाग लिया। बालिका वर्ग में फाईनल मैच किसान पी0जी0 कॉलेज, रकसा–रतसड़ और गुलाब देवी महिला महाविद्यालय के बीच हुआ जिसमें गुलाब देवी महिला महाविद्यालय विजेता और किसान पी0 जी0 कॉलेज, रकसा–रतसड़ उपविजेता रहा। बालक वर्ग में बाबा ऋषभ देव महाविद्यालय धर्मापुर विजेता और दूजा देवी महाविद्यालय, सहतवार उपविजेता रहा।

इस प्रकार अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कुल 655 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें कुल 360 बालक और 295 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया।

अन्तरमहाविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में समग्र चैम्पियनशिप में दूजा देवी महाविद्यालय, सहतवार 14 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर तथा एस0 सी0 कॉलेज 13 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर एवं बाबा ऋषभ देव महाविद्यालय 10 अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहा।

चौरीचौरा शताब्दी समारोह का आयोजन

चौरीचौरा शताब्दी समारोह के अवसर पर जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के हजारीप्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में दिनांक 04 फरवरी 2021 को एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रतिभाग करते हुए छात्र अतुल कुमार पाण्डेय ने चौरीचौरा काण्ड के घटनाक्रम का वर्णन किया और कहा कि यह घटना भारतीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना है। छात्र अवनीश प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रेम का संकल्प दिलाया। छात्र अम्बरीश कुमार ओझा ने बताया कि स्वाधीनता आंदोलन में देश के युवाओं ने अद्भुत बलिदान दिया है और हम बलिया के निवासियों के तो स्वभाव में ही बागीपन है

जिसका प्रमाण 1942 की अगस्त क्रांति है। छात्र सौरभ सिंह ने कहा कि हम युवाओं को आजादी के महत्व को समझने की आवश्यकता है।प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के प्राध्यापक डॉ० अरविन्द कुमार ने बताया कि चौरीचौरा आन्दोलन की वास्तविक तिथि को लेकर इतिहासकारों में मतभेद है कुछ इतिहासकार इसे 4 फरवरी मानते हैं तो कुछ इसे 5 फरवरी। हमें इस मतभेद पर ध्यान न देकर इस घटना के कारणों और परिणाम पर ध्यान देना चाहिए, जिसमें ग्रामीणों ने विद्रोह का बिगुल बजाया था और यह बतला दिया था कि स्वतन्त्रता की चेतना अब ग्राम्यांचलों तक पहुंच चुकी है। मध्यकालीन इतिहास और आधुनिक इतिहास विभाग के प्राध्यापक श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने चौरीचौरा की घटना की पृष्ठभूमि को विस्तार से बताते हुए गांधी और उनके असहयोग आंदोलन की विस्तृत चर्चा की और बताया कि असहयोग आंदोलन में देश के सभी लोगों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया था। उसी समय काशी विद्यापीठ और गुजरात विद्यापीठ जैसे विश्वविद्यालय निर्मित हुए थे। कांग्रेस ने चवन्निया सदस्यता के माध्यम से पूरे देश में व्यापक सदस्यता आन्दोलन चलाया था। बलिया की भी इस आंदोलन में सक्रिय सहभागिता थी। आपने यह भी बताया कि यह घटना वास्तव में उस समय उपजे तीव्र जनाक्रोश का नतीजा थी। इस घटना के पश्चात गांधी ने जब असहयोग आंदोलन वापस लिया तो कांग्रेस के ही कई महत्वपूर्ण नेताओं ने उसका विरोध किया था। इसी आंदोलन के साथ ही गांधी ने संघर्ष, आराम और फिर संघर्ष की चेतना के साथ कई अहिंसक आंदोलन चलाये जिसकी अंतिम परिणिति भारत की स्वतंत्रता थी। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ० जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा कि युवा साथियों के जोश और राष्ट्र के प्रति समर्पण को देखकर लगता है कि देश का भविष्य सुरक्षित है। इस संदर्भ में उन्होंने गीतकार प्रदीप कुमार के गीत' लाए हैं हम तूफान से कश्ती संभाल के इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल के' को भी उद्धृत किया। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ० साहेब दूबे, निदेशक, शैक्षणिक, विश्वविद्यालय परिसर ने कहा कि मुझे यह देखकर प्रसन्नता हो रही कि मेरे छात्रों और प्राध्यापकों के सम्मिलित प्रयत्नों से परिसर में अकादमिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। निश्चय ही ये छात्र अपनी योग्यता से विश्वविद्यालय का नाम रौशन करेंगे। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ० प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापक गण सुश्री नेहा विशेन, प्राध्यापक, समाजशास्त्र, श्री अतुल कुमार, प्राध्यापक, वाणिज्य, डॉ० अपराजिता उपाध्याय, प्राध्यापक, समाजकार्य, सुश्री वन्दना सिंह यादव, प्राध्यापक गृह विज्ञान, डॉ० विवेक कुमार, प्राध्यापक वाणिज्य एवं श्री आशीष कुमार सिंह, प्राध्यापक, वाणिज्य उपस्थित रहे।

इस गोष्ठी के उपरांत विद्यार्थियों द्वारा परिसर में एक रैली भी निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रभक्ति की भावना को जगाने वाले नारे लगाये।

वसंत पंचमी का आयोजन

दिनांक 16 फरवरी 2021 को वसंतपंचमी के अवसर पर विश्वविद्यालय के हजारी प्रसाद द्विवेदी अकादमिक भवन में सरस्वती पूजन समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रोफेसर कल्पलता पांडेय ने वाग्देवी की प्रतिमा की पूजा संपूर्ण विधि विधान से की। तत्पश्चात आपने परिसर के विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा अपने मूल उत्तरदायित्व पर अपना ध्यान संकेंद्रित रखना चाहिए। किसी भी विद्यार्थी का एकमात्र ध्येय अध्ययन एवं चरित्र निर्माण होना चाहिये। उन्हें आज की भौतिकतावादी संस्कृति के प्रलोभन में नहीं फंसना चाहिए जो विकास की जगह ह्रास का कारण बनते हैं। विश्वविद्यालय परिसर की निदेशक डॉ० प्रतिभा त्रिपाठी ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपने चरित्र व व्यक्तित्व का इस प्रकार विकास करें कि जिससे विश्वविद्यालय को यश और सम्मान प्राप्त हो। वीणापाणि के पूजन के पश्चात आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीत संगीत की अपनी

प्रस्तुतियां दीं। प्राचीन इतिहास के प्राध्यापक डॉ० अरविंद कुमार ने भी एक गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ० प्रमोद शंकर पांडेय ने किया । इस अवसर पर परिसर के प्राध्यापकगण नेहा विशेन, अतुल कुमार,डॉ० मनीषा सिंह, डॉ० अपराजिता उपाध्याय, डॉ० विवेक कुमार, शैलेंद्र सिंह, वंदना यादव तथा आशीष सिंह उपस्थित रहे।

दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के कार्यक्रम

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी एवं महामना मालवीय जी की जयन्ती पर दिनांक 25 दिसम्बर 2020 को 'श्री अटल जी एवं महामना : व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के मुख्य वक्ता जस्टिस गिरीधर मालवीय, कुलाधिपति काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने माननीय मालवीय जी के जीवन के प्रसंगों के बारे में विस्तार से बताया और राष्ट्र तथा संस्कृति के प्रति उनके विचारों की समसामयिकता पर चर्चा की। इस वेबिनार की विशिष्ट वक्ता श्री अतुल कोठारी, सचिव संस्कृति उत्थान न्यास ने अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व के विभिन्न अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला। गोष्ठी की अध्यक्षता करती हुयी कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने मालवीय जी के जीवन के संस्मरणों को याद किया और बताया कि मालवीय जी उनके घर अक्सर आया–जाया करते थे। बचपन से वे मालवीय जी को मालवीय जी महाराज कहती आयी हैं। उनके नाना पं0 सीताराम चतुर्वेदी का मालवीय जी से घनिष्ठ सम्बन्ध था और वे प्रत्येक

विषय पर मालवीय जी की दृष्टि के अनुरूप विचार और निर्णय किया करते थे। शोधपीठ के संयोजक डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय ने संचालन किया जबकि डॉ0 अजय बिहारी पाठक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में पं0 दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर दिनांक 11.02.2021 को ''राष्ट्र की अवधारणा : पं0 दीन दयाल उपाध्याय की दृष्टि'' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो0 पवन शर्मा ने कहा कि राष्ट्र एक जैविक इकाई है, जिसका आधार संस्कृति है। आध्यात्म हमारी संस्कृति का मूल आधार है। इसी संस्कृति के आधार पर ही राष्ट्र की प्रथम संकल्पना की गयी, जो ऋग्वेद में वर्णित है। भारत का राष्ट्रवाद यूरोपीय नेशनलिज्म से अलग है, क्योंकि नेशन का आधार भाषा आधारित जातीयता है। विशिष्ट वक्ता डॉ0 प्रवीण कुमार तिवारी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था धर्म आधारित है। पश्चिम की तरह अधिकतम उपयोग के सिद्धांत का नहीं बल्कि अनुकूलतम उपयोग के सिद्धान्त का पालन करते हैं। हमारी व्यवस्था शोषण पर नहीं अपितु पोषण पर आधारित है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय ने कहा कि जन और संस्कृति के संघात से राष्ट्र का निर्माण होता है। अतः राष्ट्र को राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं बल्कि सांस्कृतिक इकाई के रूप में देखने की आवश्यकता है। हमें भारतीय अस्मिता पर गर्व है जो भारत की गौरवशाली परम्परा, आध्यात्मिकता और श्रेष्ठ जीवन मूल्यों में सन्निहित है। वेबिनार में अतिथियों का स्वागत शोधपीठ के संयोजक डॉ0 रामकृष्ण उपाध्याय तथा संचालन शोधपीठ के सहसम्पादक डॉ0 प्रमोद शंकर पाण्डेय ने किया। इस वेबिनार में डॉ0 अशोक सिंह, डॉ0 मान सिंह, डॉ0 अमित सिंह, डॉ0 मंजीत सिंह आदि कई प्राध्यापकों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम

जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की सेवायोजना इकाइयों को दो भागों, समूह–अ एवं समूह –ब में बांटकर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। समूह–अ में 13 महाविद्यालयों का नाम एवं समूह– ब में 17 महाविद्यालयों का नाम सम्मिलित था जिनके विशेष शिविरों का आयोजन इन दो तिथियों में 2 फरवरी से 8 फरवरी तक एवं 10 फरवरी से 16 फरवरी तक किया गया। इन महाविद्यालयों द्वारा विशेष कैंपों के दौरान निम्न कार्य संपादित किए गए– पर्यावरण संरक्षण पर रैलियां, जल संरक्षण पर रैलियां, मतदाता जागरूकता पर रैलियां, महाराज सुहेलदेव जयंती पर विचारगोष्ठी का आयोजन, हेलमेट पहनने के लिए जागरूकता अभियान, सड़क सुरक्षा रैली, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' पर गोष्ठियां, 'जनसंख्या वरदान या अभिशाप' विषय पर गोष्ठी, ग्रामीण महिला सशक्तिकरण पर रैलियां, सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत बाल विवाह, एवं बाल शिक्षा पर गोष्ठियाँ आयोजित की गईं। विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा सड़कों की मरम्मत, मेडिकल शिविर, रक्तदान शिविर, एवं चौरीचौरा शताब्दी महोत्सव का आयोजन एवं अन्य गोष्ठियों के साथ–साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक– सेविकाओं द्वारा किया गया। कैंपों के दौरान विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा पौधरोपण का भी कार्यक्रम संपन्न किया गया।

इसी क्रम में दिनांक 09.02.2021 को श्री मुरली मनोहर टाउन स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलिया के जयप्रकाश सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डॉ० ओ पी सिंह एवं विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ० साहेब दुबे ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। हमें रक्तदान कर जरूरतमंद लोगों की मदद करनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ० दयालानंद राय, डॉ० धीरेन्द्र कुमार, डॉ० ब्रजेश सिंह, डॉ० धर्मेंद्र सिंह समेत अन्य प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। लगभग 150 स्वयंसेवकों ने रक्तदान के लिए अपना रजिस्ट्रेशन कराया। स्वास्थ्य जांच के उपरांत 35 स्वयंसेवकों ने 35 यूनिट रक्तदान किया। जिला अस्पताल बलिया के ब्लड बैंक की टीम की देख रेख में इस कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। जिला अस्पताल के डा० रिंकी लाल गुप्ता ने स्वयंसेवकों को रक्तदान के महत्व के बारे मे बताया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ० संजीत कुमार सिंह, डॉ० अनिल कुमार एवं डॉ० विवेक सिंह के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

रोवर्स/रेंजर्स के कार्यक्रम

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया से सम्बद्ध महाविद्यालयों के रोवर्स/रेंजर्स के सर्वांगीण विकास एवं सामाजिक दायित्वों से अवगत कराने तथा उनके अंदर आदर्श नागरिक गुणों का विकास करने के प्रति प्रतिबद्ध है। इस उद्देश्य के निमित्त महाविद्यालयों में रोवर्स/रेंजर्स गतिविधियों का निरंतर प्रसार किया जा रहा है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 90 महाविद्यालयों में रोवर्स/रेंजर्स की इकाइयाँ कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय के सहयोग एवं समन्वय से शासन एवं प्रशासन द्वारा समय–समय पर निर्धारित कार्यक्रमों से स्वयं को तथा जनसमुदाय को सम्बद्ध करने के लिये प्रयत्नशील है। इस क्रम में वर्ष 2021 में पहला महत्वपूर्ण कार्यक्रम 25 जनवरी, 2021 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के सुअवसर पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालयों में आयोजित विचार गोष्ठियों के अन्तर्गत रोवर्स/रेंजर्स के साथ ही समस्त छात्र/छात्राओं को मतदान के महत्व से परिचित कराया गया तथा इसे नागरिक का महत्वपूर्ण कर्तव्य बताया गया। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि यद्यपि अपने देश में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था लागू नहीं है, फिर भी एक प्रबुद्ध एवं राष्ट्रीय हितों के लिए प्रतिबद्ध जागरूक नागरिक होने के कारण हमें स्वयं तो मतदान करना ही चाहिए साथ ही आस–पास के लोगों को भी इसके महत्व से अवगत कराकर मतदान केन्द्र तक ले जाने एवं बिना किसी प्रलोभन के स्वविवेक से मतदान करने हेतु प्रेरित करना चाहिए। मतदान लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। अतः इसमें सभी की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहियें। सम्बद्ध महाविद्यालयों ने इस अवसर पर छात्र/छात्राओं को दबाव एवं प्रलोभन मुक्त होकर मतदान करने की शपथ दिलायी तथा जागरूकता रैलियों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया तथा उन्हें मतदान के लिये प्रेरित किया।

18 जनवरी से 17 फरवरी 2021 तक आयोजित 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह' के अन्तर्गत सम्बद्ध महाविद्यालयों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर सड़क सुरक्षा के प्रति सामान्य जानकारी लोगों तक पहुँचायी गयी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुरूप जागरूकता रैलियों, पोस्टर, निबन्ध, नारों आदि के माध्यम से जनता को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत 04 फरवरी, 2021 को एक विशाल रैली जनपद मुख्यालय पर निकाली गयी, जिसमें मुख्यालय स्थित सभी महाविद्यालयों के रोवर्स/रेंजर्स ने प्रतिभाग किया। सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत देवेन्द्र पी0जी0 कॉलेज, बेल्थरारोड, बलिया में रोवर्स/रेंजर्स, एन0एस0एस0 तथा एन0सी0सी0 के संयुक्त तत्वावधान में आम जनता की सुरक्षा एवं संरक्षा के उद्देश्य से 12 फरवरी, 2021 को जनजागरण रैली निकाली गयी। रोवर्स प्रभारी डॉ0 वीरेन्द्र सिंह ने इसका उद्देश्य मानवीय असावधानी और यातायात नियमों का पालन न करने के कारण सड़कों पर हो रही दुर्घटनाओं के प्रति आम जनता को जागरूक करने की बात कही। रैली में यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा से सम्बन्धी स्लोगन सहित पोस्टर एवं बैनर के साथ प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

04 फरवरी 2021 को चौरी–चौरा आंदोलन की 100वीं वर्षगांठ पर ''चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव'' के अन्तर्गत रोवर्स/रेंजर्स ने प्रभातफेरी एवं जागरूकता रैली के माध्यम से अमर शहीदों के शहादत को नमन किया।

सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश एवं निपुण शिविरों के माध्यम से रोवर्स/रेंजर्स को स्काउटिंग के लक्ष्यों के अनुरूप प्रशिक्षित किया गया। इन शिविरों के माध्यम से शिविरार्थियों को उनमें अंतर्निहित क्षमता से परिचित कराने के साथ ही उन्हें सामाजिक दायित्वों के प्रति भी जागरूक किया गया। पांच दिवसीय प्रवेश एवं निपुण शिविरों के माध्यम से 19 महाविद्यालयों के 1420 रोवर्स/रेंजर्स को प्रशिक्षित किया गया।

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया का दूसरा विश्वविद्यालयीय रोवर्स/रेंजर्स समागम किसान पी0जी0 कॉलेज, रक्सा, रतसर, बलिया के प्रांगण में दिनांक 27 एवं 28 फरवरी, 2021 को सम्पन्न हुआ। समागम के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालयीय रोवर्स/रेंजर्स की संरक्षक एवं माननीया कुलपति प्रो0 कल्पलता पाण्डेय थी। माननीया कुलपति महोदया ने अपने आशीर्वचन में स्काउटिंग के साथ अपने विगत 50 वर्षों के अनुभवों को साझा किया। माननीया कुलपति जी ने संस्था के पवित्र उद्देश्यों एवं इसकी तीन प्रतिज्ञाओं का उल्लेख करते हुए रोवर्स/रेंजर्स को 'एक राष्ट्र, श्रेष्ठ राष्ट्र' के निर्माण में अपनी योग्यता एवं क्षमता का उपयोग करने तथा स्वयं के विकास के साथ ही समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिये अग्रसर होने का आह्वान किया। माननीया कुलपति महोदया ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों में रेंजर्स (छात्राओं) की भूमिका को रेखांकित करते हुए उनके उल्लेखनीय योगदान की प्रशंसा की तथा रोवर्स (छात्रों) को अपने अंदर प्रतियोगी भावना विकसित कर अपना प्रतिनिधित्व बढ़ाने तथा अपनी क्षमता प्रमाणित करने के लिए प्रेरित किया। उद्घाटन सत्र की विशिष्ट अतिथि डॉ0 शैलजा राय, जिला मुख्यायुक्त, उ0प्र0 भारत स्काउट और गाइड, बलिया ने अपने उद्बोधन में संस्था के उद्देश्यों से रोवर्स/रेंजर्स के साथ स्वयं को आबद्ध करने तथा समाज की अपेक्षा के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिये प्रेरित किया। मुख्यायुक्त का मानना था कि इससे एक तरफ जहाँ रोवर्स/रेंजर्स का सर्वांगीण विकास होगा, वहीं दूसरी तरफ उनकी योग्यता एवं क्षमता का लाभ समाज को भी प्राप्त होगा। विश्वविद्यालयीय रोवर्स/रेंजर्स समन्वयक डॉ0 अशोक कुमार सिंह ने सत्र 2020–21 में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध रोवर्स/रेंजर्स की गतिविधियों की संक्षिप्त आख्या प्रस्तुत की तथा भविष्य की योजनाओं को रेखांकित किया। समन्वयक ने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालयीय रोवरिंग/रेंजरिंग गतिविधियों को निरंतर प्रसार किया जा रहा है। आज रोवर्स/रेंजर्स अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति पूर्णतः जागरूक है तथा समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप स्वयं को प्रस्तुत करने के लिये प्रयत्नशील हो। समागम में 06 रोवर्स एवं 10 रेंजर्स दलों ने प्रतिभाग किया।

Dr. **Awnindra Kumar Singh,** Scientist, visited J.N.C.U, Ballia

Dr. Awnindra Kumar Singh, Principal Scientist(plant Breeding), ICAR- Indian Institute of Pulses Research, Kanpur, U.P. visited J.N.C.U, Ballia on the invitation of honorable Vice -Chancellor Prof. Kalplata Pandey dated 3 December 2020. He is an esteemed member of "Living Legends of Ballia" (a forum of J.N.C.U). They had a productive meeting and discussed various projects and initiatives for the sustainable development of the University and the district. Dr. Singh made promise to establish a centre of ASCAR Scientific Forum to train the students of the University and farmers of Ballia. His commitment and dedication toward holistic development of Ballia is commendable. It is worth mentioning that Dr. Awnindra Kumar Singh is honorary

Life member of *"Asian PGDR Society of Sustainable Agriculture, Albama, USA"*. He has received the prestigious *ICAR – Fakhruddin Ali Ahmed Award* for outstanding research in Tribal Farming Systems, of Govt. of India.

National Webinar on "J.N.C.U and Ballia Forming: Forming Integral Bonds with Living Legends"

Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, U.P celebrated its 5th Foundation Day on 22nd December 2020 under the supervision and excellent leadership of honorable Vice- Chancellor Prof. Kalplata Pandey. On the eve of the University's foundation day, 21 December 2020, "Living Legends of Ballia" (a forum of J.N.C.U) organized a national webinar on "J.N.C.U and Ballia: Forming Integral Bonds with Living Legends". Madam Vice -Chancellor inaugurated the programme by lighting a virtual lamp. Welcoming guests and speakers, she said that through the platform of "Living Legends of Ballia" she is trying to connect all the famous personalities of Ballia who are born here but live and work in India or India abroad. Dr. Dinesh Sharma, Deputy Chief Minister, Govt. of Uttar Pradesh graced the occasion as the Chief Guest. He assured a good support in the development of the university and, simultaneously, appreciated the effort of the university to connect all the living legends of the district to this platform. He also highlighted that this unique initiative of the university will pave the path of its development as well as the district. Shri Amitabh Kant, CEO NITI AAYOG, Govt. of India who is respective member of the forum was the Chief Speaker of the Technical Session of the webinar. He said that Ballia district has immense possibilities for development and wants Ballia has to become the most modern and the best district of Uttar Pradesh. He suggested that university should make efforts in this direction and NITI AAYOG will help in its development. Shri Harivansh ji, honorable Deputy Chairman, Rajya Sabha and member of the forum "Living Legends of Ballia" was the Chief Guest in the valedictory session of the webinar. He said, "Though he lives far from Ballia yet he always possesses emotional bonds with the district. Commemorating the famous and holy souls, politicians and literary

personalities of Ballia like – Maharshi Bhrigu, Chandrashekhar ji and Padma Shri Shree Krishn Bihari Mishra, he suggested that the university should take the responsibility of documentation and preserving the history and heritage of Ballia. He viewed that a desire to connect with its luminaries should always be alive within us.

Apart from the above, many honorable members of the forum graced the webinar through their presence and suggestions. "Sab Ke Goad Choo Ke Goad Laagatani" – addressing the inaugural session of the webinar in Bhojpuri language Shree Ghanshyam Singh, former member of the Railway Board, showed his deep affection for his motherland. He also highlighted that this webinar is like 'Samudra Manthan' (Ocean Churning) which will, certainly, produce some nectar. Along with this, he also assured that he would do everything possible for the people of Ballia.

In the very first Technical Session of the webinar, Prof. Ramesh Chandra Srivastava, Vice -Chancellor of Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa, Samastipur, Bihar delivered his entire lecture in Bhojpuri language and, simultaneously, suggested that a forum like – "Ballia Development Forum" should be shaped for the overall progress of Ballia. He also promised to help with his expertise in the fields of water and agriculture. Prof.

Pradeep Kumar Singh, Director – CSIR, Dhanbad, made promise to support economically weak and talented students for their studies. He also said that in order to rescue Ballia from the bad consequences of Arsenic, he would try his best possible doing from the platform of J.N.C.U. Prof. J.P.N. Pandeya, Retd. Principal, Girls Autonomous P.G College of excellence, Sagar, M.P advocated that the university must focus its attention on the research and that would be based on the need of local people.

In the second Technical Session of the webinar, Dr. Suresh Tiwari, Scientist, I.I.T.M, New Delhi offered to provide data (free of cost) regarding research in Meteorology for the students of the university. He also advised to establish high quality Laboratories and Libraries in the University for Research and Development. Addressing the webinar, Prof. Rajnath Yadav, Vice –Chancellor, Purnea University, Purnea, Bihar, suggested that the University might start some Diploma Courses in Tourism, Biotechnology, Entrepreneurship, Microbiology, Hotel Management etc. He also advised to establish Sodhpeeth in the university in the name of the legends of Ballia. Dr. Anil Kumar Mishra, Scientist, D.R.D.O offered to provide summer training for the students of the University regarding chemical research. He also promised to do needful to grant scholarship for them.

In the third Technical Session cum Panel Discussion Session, Dr. Awnindra Kumar Singh, Principal Scientist, (ICAR) at I.I.P.R, Kanpur focuses his talk on the training of the farmers of Ballia from the platform of the University. Regarding this, he made promise to set up ASCAR Scientific forum centre in J.N.C.U. for the help of students, teachers and farmers of Ballia. In his lecture of the webinar, Shri Rajiv Kumar Sinha, Group Manager, NTPC, Ghaziabad, U.P accentuated to save the folk culture of Ballia through University and therefore obtain the tag of UNICEF. He proposed to invite honorable members of Living Legends of Ballia to organize dialogue and interaction with the students of the University. He also suggested to develop digital library in the University. Addressing the webinar, Prof. Harsh Kumar Sinha, Head, Department of Defence Studies, DDU, Gorakhpur University, Gorakhpur advised to begin new courses in Mass Communication and New Media. Also, he stated to establish different Institutes in J.N.C.U.

The Valedictory of the webinar was wonderful and vibrant. Shri Tarkeshwar Singh, Retd. Judge, Indore, M.P opined to form "Ballia Vikas Gosthi" for the overall growth of Ballia. He also emphasized his talk on the appointment of highly trained professionals in the University. Shri Ranjit Bahadur Singh, Scientist, ISRO, Bengaluru shared his experiences and relationships that he has passed with Chandrashekhar ji. He was of the opinion that the University ought to be extend according to the personality of Chandrashekhar Ji. Addressing the webinar, Padma Shri Prof. Jagadish Shukla, George Mason University, U.S.A proposed to form Abroad Group, India Group and Ballia Group of honorable members of the forum. He also recommended to provide the facilities of Intellectual Discourse in the University. Dr. Rameshwar Choubey, Nuclear Scientist, Canada focused his lecture on the training of communication skills for the students of the University. He suggested inspiring talented students through scholarship. He also inspired to organize seminar, webinar and special lecture in JNCU to build up academic aura. Also, he concentrated on the commercialization of local foods of Ballia at international level. Dr. Sanjay Mishra, Cancer Specialist, USA said to develop inquisitiveness in students so that they must learn questioning and answering properly. He viewed that it is essential that student know the art of positive and critical thinking regarding their study. Addressing the webinar, Er. Paresh Prakash, Post Country, Head, L &T, Saudi Arabia proposed to prepare database of the people of Ballia who are living abroad to connect them from Ballia through the forum. In the end of the webinar, delivering her presidential address Madam Vice Chancellor Prof. Kalplata Pandey assured that she would try her best to give a greater height and better dimension to the development of the University. She made promise that she will follow the suggested path by the honorable members of the forum. Here it is worth mentioning that besides Dr. Dinesh Sharma ji, all the speakers of the webinar are the son of the soil of Ballia who have carved a niche for themselves in India and abroad.

The organizing committee smoothly conducted the webinar. The event was anchored by Dr. Dayalanand Rai, Dr. Ramkrishna Upadhyaya, Dr. Pramod Shankar Pandey and Dr. Jainendra Kumar Pandey. Dr. Yadavendra Pratap Singh, Convener of the forum "Living Legends of Ballia" and organizing Secretary of the webinar expressed vote of thanks of the webinar. In a true sense, he was moving soul behind this beautiful event. Dr. Satyendra Kumar Mishra technically coordinated the webinar. Shri Arvind Upadhyay along with his team recited Kulggeet of the University. District Magistrate Shri Hari Pratap Shahi and C.D.O Shri Vipin Jain also graced the webinar with their honourable presence. Dr. Dilip Kumar Srivastava, Dr. Arvind Netra Pandey, Dr. Pratibha Pandey, Dr. Ashok Kumar Singh, Dr. Nivedita Srivastava, Dr. Sudhakar Tiwari, Dr. Nisha Raghav, Dr. Akhilesh Rai, Dr. Sahib Dubey were also present during the webinar.

Inauguration of Website *www.llbjncu.in*

On the auspicious occasion of 5th foundation Day, dated 22 December 2020, Smt. Anandiben Patel, honorable Governor, Uttar Pradesh and Chancellor of Jananayak Chandrashekhar University, virtually inaugurated the website (www.llbjncu.in) of the forum "Living Legends of Ballia". Prof. Kalplata Pandey, Vice-Chancellor, welcomed madam Chancellor and said that under her great guidance, the university is blossoming and flourishing day by day. She assured her that she would do every effort in making of research and academic aura in the university. Madam Chancellor appreciated this unique idea of Vice Chancellor to form such a forum. She said that this forum would give opportunity to the 'living legends of Ballia' in connecting with their homeland. In this way, they will find chance to serve their motherland. She stated that certainly this forum would play a prominent role in the inclusive development of JNCU and Ballia. She suggested that JNCU must focus on the innovative research in the fields of agriculture and food processing, cottage industries and fisheries etc. She also

advised to follow the principles of Jananyak Chandrashekhar ji and the university must play a vital role in making a conscious society and strong nation.

The program was anchored by Dr. Dayalanand Roy. Dr. Yadavendra Pratap Singh, convener, "Living Legends of Ballia" highlighted the vision, mission and objectives of the forum. Dr. Satyendra Kumar Mishra technically coordinated the event. Sanjay Kumar, Registrar, expressed vote of thanks. Dr. Dilip Kumar Srivastava, Dr. Ashok Kumar Singh, Dr. Arvind Netra Pandey, Dr. Nisha Raghav , Dr. Saheb Dubey, Dr. Jainendra Kumar Pandey and Dr. Pramod Shanker Pandey were present on this occasion.

Prof. **Gopal Nath Tiwari,** Scientist, visited J.N.C.U, Ballia

Dr. Gopal Nath Tiwari, world renowned Scientist of Solar Energy and former Professor at Indian Institute of Technology, Delhi visited J.N.C.U, Ballia on the invitation of honorable Vice –Chancellor Prof. Kalplata Pandey dated 06 January 2021. He is a respected member of "Living Legends of Ballia" (a forum of J.N.C.U). Presently he is working on a project of Govt. of India at Jawahar Nagar (Margupur), Chilkhar, Ballia. He shared his ideas regarding research and development and offered that he is always available for academic and research guidance to students and teachers of the university. Also, he invited to Madam Vice –Chancellor to visit his research centre at Margupur, Chilkhar , Ballia. It is significant to see that Prof. Tiwari has published six hundred fifty research papers in the National/ International Journals of repute. He has been President of Bag Energy Research Society (BERS). He has received

many awards in his life including *"Faculty Research Awards", "Life Achievement Award", and "Vigyan Ratna Award"* for his academic and research ventures.

V.C, J.N.C.U, Ballia visited Research Centre

Prof. Kalplata Pandey, Vice –Chancellor , Jananayak Chandrashekhar University, Ballia, graced the inaugural ceremony of Sodha Energy Research Park(SERP) at Jawahar Nagar (Margupur), Chilkhar, Ballia as the Guest of Honor on the invitation of Prof. Gopal Nath Tiwari, President SERP dated 08 February 20212. She was very much delighted to see this research centre at a deserted land. She expressed her well wishes for the development of this Research Park, and said that it would be a milestone in the history of India. Madam V.C viewed that such unique research centre will give a greater height and better dimension to the research aura and inclination of young researchers of Ballia. Dr. Yadavendra Pratap

Singh, Convener, "Living Legends of Ballia" was also present at this great occasion. Here it is wroth mention that Dr. Gopal Nath Tiwari is a world renowned Scientist of Solar Energy and former Professor at Indian Institute of Technology, Delhi who founded this Research Park. Prof. A.S.K Sinha, Director, Rajiv Gandhi Institute of Petroleum Technology, Jais, Amethi, U.P was the Chief Guest of the event.

साक्षरता स्वयं में शिक्षा नहीं है। साक्षरता न तो शिक्षा का आरम्भ है और न ही अंत। शिक्षा से मेरा मंतव्य शिशु एवं वयस्क के मन, शरीर और आत्मा के सर्वश्रेष्ठ को बाहर ले आना है। वास्तविक शिक्षा को अपने चारों ओर की परिस्थितियों से सामंजस्य स्थापित करना चाहिए अन्यथा यह स्वस्थ विकास नहीं है।

Literacy in itself is no education. Literacy is not the end of education or even the beginning. By education I mean an all-round drawing out of the best in the child and manbody, mind and spirit. True education must correspond to the surrounding circumstances or it is not a healthy growth

– महात्मा गांधी

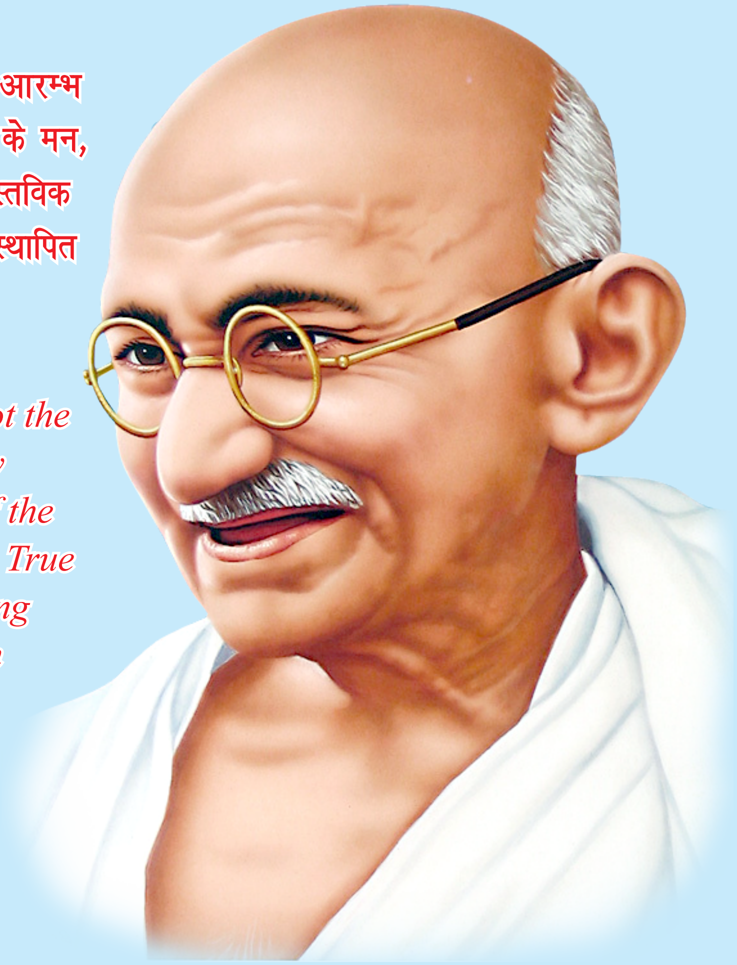

अन्वीक्षण

The Quest

Compiled & Published by:

Jananayak Chandrashekhar University

Ballia - 277301 U.P.

For any suggestions, please contact us at : jncuballia@gmail.com